उद्यमिता विकास के लिए आईआईएम रांची ने किया करार

विस्तार

रांची। प्रमुख संवाददाता

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), रांची और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने उद्यमिता की ओर अधिक युवाओं को उन्मुख करने के लिए हाथ मिलाया है।

इसके तहत दोनों संस्थान छात्रों के लिए उद्यमशीलता और प्रबंधन में प्रशिक्षण और परामर्श का विस्तार करेंगे। रांची में ऊष्मायन केंद्र (इनक्यूबेशन सेंटर) स्थापित करने और दोनों संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों के लिए कई कार्यक्रमों के माध्यम से एक अनुकूल उद्यमी पर्यावरण प्रणाली बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। दोनों संस्थान उद्यमिता विकास और कौशल वृद्धि पर संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम भी विकसित करेंगे।

इसके अलावा, छात्र विनिमय और संकाय विकास कार्यक्रमों के तहत, झारखंड और अन्य पड़ोसी राज्यों में एक उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। यह सहयोग दोनों संस्थानों के लिए ज्ञान साझा करने, शिक्षण, अनुसंधान और संस्थागत समर्थन को बढ़ावा देगा। इस मौके पर ईडीआईआई गवर्निंग बॉडी मेंबर और संस्थापक अध्यक्ष, दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, डॉ मिलिन कांबले ने कहा कि इसके माध्यम से उन आदिवासी युवाओं के लिए बहुत कुछ किया जा सकता है, जिनके पास क्षमता है लेकिन उन्हें एक दिशा की आवश्यकता है।

तबाही झेलने की क्षमता रखने वाले व्यवसाय ही आगे बढ़ेंगे

ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने साझेदारी के लाभों के बारे में कहा कि वर्तमान और आनेवाला समय सिर्फ उन्हीं व्यवसायों का पोषण करेगा जो आगे की ओर देखने वाले और ज्ञान आधारित हैं। संकट और बड़ी तबाही झेलने की क्षमता रखने वाले व्यवसाय ही आगे बढ़ेंगे। कोविड-19 संकट ने हमें दिखाया है कि कैसे व्यवसायों को बाजार की उथल-पुथल और वित्तीय आपात स्थितियों से परे संकटों के लिए तैयार रहना चाहिए।

उद्यमिता का माहौल बनाने में तकनीकी मदद मिलेगी

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने कहा कि इस साझेदारी से हमें छात्रों और समुदाय के लिए उद्यमिता के बुनियादी ढांचे और माहौल बनाने में तकनीकी मदद मिलेगी। ऊष्मायन केंद्र का उद्देश्य मुख्य हितधारकों के साथ सहयोग करके अलग-अलग विचार आमंत्रित करना होगा। केंद्र प्रबंधन, नवाचार, रणनीति और उद्यमशीलता के क्षेत्रों में अपने अनुभव और विशेषज्ञता के माध्यम से पहल के लिए आवश्यक प्रेरणा और बौद्धिक आधार प्रदान करेगा।